झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिषन समिति
स्वा0 एवम् परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड सरकार

प्रेस विज्ञप्ति

स्वास्थ्य संचार रणनीति एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

आज दिनांक 10 सितम्बर 2014 (रांची) को **Call to Action for improving RMNCH+A outcomes in Jharkhand** विषय पर तैयार स्वास्थ्य संचार रणनीति के विधिवत् राज्यस्तरीय प्रसार (Dissemination) हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं युनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में होटल कैपिटल हिल, मेन रोड,रांची में राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन में किया गया।
कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राज्य विशेष समेकित स्वास्थ्य सेवा को सुनिश्चित करने के लिए संचार रणनीति एवं किशोरी स्वास्थ्य स्वच्छता हेतु रणनीति निर्माण दास्तावेज का लोकार्पण एवं प्रसार था।

कार्यशाला की अध्यक्षता आशीष सिंहमार, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य मुद्दों को प्रभावि रूप से लागू करने में सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार **(SBCC)** तथा अन्तर्व्यतिकत संवाद **(IPC)** की प्रमुख भूमिका है। यह संचार का ऐसा माध्यम है जिसमें आम लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में बताकर उनको प्रभावी ढंग से जागरूक एवं उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने **Social Media, Mass Media** एवं **Folk Media** का उपयोग कर लोगो को जागरूक बनाने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग सोशल मीडिया का बहुत उपयोग करते हैं, इसका उपयोग कर समाज के बड़े वर्ग को स्वास्थ्य मुद्दों के लाभ के संबंध में बताया जा सकता है। संचार रणनीति से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र मे ग्राम स्तर तक कार्य योजना बनाने मे मदद मिलेगा।

जॉब जकारिया, झारखण्ड प्रमुख, युनिसेफ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के 15 प्रमुख व्यवहारों को अपनाकर **UN** मिलेनिया लक्ष्य को प्राप्त किया जा का सकता है। व्यवहार परिवर्तत हेतु चार स्तरों पर लोगों से संवाद करना होगा जैसे – वैक्तिक, परिवारिक, समाजिक एवं सस्था स्तर।

इससे पूर्व कार्यशला की शुरूआत करते हूऐ भवानी शंकर त्रिपाठी, **C4D Specialist, Unicef Country Office** ने **RMNCH+A** के लिए संचार के महत्ता को बताया एवं उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण के जरीये संचार के कई आयोमों को दर्शाया एवं रणनीति के तहत उनके उपयोग को प्रतिभागियों को बताया।

कार्यशाला को डॉ. सुमन्त मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पास स्वास्थ्कर्मीयों, संस्थाओं और अन्य सहयोगी संस्थाओं की बड़ी संख्या होने के बावजूद हमलोग स्वास्थ्य सूचकांकों में अपेक्षित बदलाव नहीं ला पा रहे हैं। उन्होंने सेवा प्रदाताओं के व्यवहार में भी परिवर्तन लाने पर जोर दिया।

कार्यशाला में संचार रणनीति (Call to Action to improve RMNCH + A Outcome in Jharkhand) एवं किशोरी स्वास्थ्य स्वच्छता हेतु रणनीति पुस्तिका विमोचन किया गया।

सोनाली मुखर्जी, **C4D Officer, Unicef Jharkhand** ने संचार रणनीति निर्माण के तरीकों के बारे में प्रतिभागीयों को विस्तारपूर्वक जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन के लिए हमें उनसभी व्यक्तियों से संवाद करना होगा जो उस व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावीत करते हों।

सभा में विशिष्ठ अतिथि राजकुमार झा, ने संचार रणनीति के तहत लोगों में सरल शब्दों का उपयोग कर संचार करने के लिए एवं सरकार में प्रचार प्रसर को सरल रूप एवं आम बोल–चाल की भाषा में लोगों

के समक्ष लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि संचार रणनीति बनाते समय लोगों की भाषा, उनकी संस्कृति तथा उनके यहॉ प्रचलित मान्यताएं पर भी ध्यान देना चाहिए।

संचार रणनीति बनाने से पूर्व योजनाबद्ध तरीके एवं राज्य के अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर इसे मूर्त रूप दिया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (MoHFW 2012) द्वारा भारतवर्ष में जीवन चक्र के अनुसार Continuum of Care के साथ समेकित स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से RMNCH+A (Reproductive Maternal Neonatal Child and Adolescent Health) पर आधारित रणनीतिक दृष्टिकोण पेश किया गया है। 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत लक्ष्यों की प्राप्ति में यह रणनीति सीधे शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होगी। झारखण्ड राज्य के परिपेक्ष्य में इस रणनीति का कार्यान्वयन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्यों राज्य में वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार शिशु मृत्यु 39 एवं मातृ मृत्यु दर 261 है।

इस साक्ष्य आधारित रणनीति का निर्माण वर्ष भर चले लम्बे प्रतिभागी प्रक्रिया, डेस्क समीक्षा, साक्षात्कार, बैठक के साथ–साथ राज्य के छः जिलों (राँची, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, पलामू, गिरीडीह एवं साहेबगंज) में प्रारम्भिक अनुशंधान के अनुसार किया गया हे। राज्य के बेसलाईन प्राप्त करने में 15–45 वर्ष के 1523 शादी–शुदा महिलाओं को लक्षित किया गया। अनुसंधान से यह तथ्य प्रकाश में आया है कि राज्य में आई.एम.आर. एवं एम.एम.आर. के अधिक दर होने में राज्य के कुछ पारम्परिक एवं सामाजिक मुद्दे मुख्य कारक है। उपरोक्त को ध्यान में रखकर RMNCH+A द्वारा व्यस्थित, व्यापक, साक्ष्य आधारित सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार रणनीति तैयार किया गया है। यह रणनीति तय बदलाव को प्राप्त करने में किसी व्यक्तिगत के पूरे जीवन काल के 15 व्यवहारों पर आधारित है। यह दस्तावेज योजनाओं के कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए स्थायी परिवर्तन के बारे में प्रक्रियों की पहचान पर केन्द्रित है।

कार्यशाला में पैनल डिस्कसन मे पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, विभिन्न जिलो से आए आधिकारी व सहिया साथी मे अपने अपने क्षेत्र मे किये गये कार्यों के बारे में विचार व्यक्त किया,विशेष रूप से ग्रम स्तर संचार रणनीति का लाभ आम लोगो को कैसे पहुॅचाया जाए जोर दिया।

कार्यशाला का मंच संचालन अकय मिंज, राज्य कार्यक्रम समन्वयक, एन.आर.एच.एम., द्वारा किया गया।

कार्यशाला मे स्वास्थ्य विभाग से डॉ ए. के. चौधरी, निदेशक, डॉ रमेश, निदेशक, डॉ अजित, डॉ पुष्पा मारिया बेक, उपनिदेशक, डॉ तुनुल हेमरोम, उपनिदेशक तथा अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिय। युनिसेफ राष्ट्रीय स्तर के अधिकारी, मानव संसाधन विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पंचायती राज संस्थान, संचार सहयोगी, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि एवं एन.जी.ओ. सहयोगी उक्त कार्यशाला में उपस्थित थे। साथ ही दुमका, लोहरदगा जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी व अन्य लोगों मे भी भाग लिया।

हस्ताक्षर

आई.ई.सी. नोडल ऑफिसर